भारत सरकार

पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. **806** जिसका उत्तर

शुक्रवार, 29 नवंबर, 2024/8 अग्रहायण, 1946 (शक) को दिया जाना है

ड्रेज्ड सेडिमेंट्स का वैलोराइजेशन

†806 श्रीमती स्मिता उदय वाघः

श्री मनोज तिवारी:
श्री खगेन मुर्मुः
श्री जनार्दन मिश्राः

क्या **पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) "ड्रेज्ड सेडिमेंट्स का वैलोराइजेशन" अनुसंधान प्रस्ताव का प्राथमिक उद्देश्य क्या है और इससे ड्रेज्ड सेडिमेंट्स, जिसे सामान्यतः अपशिष्ट के रूप में देखा जाता है, को मूल्यवान संसाधन में किस प्रकार परिवर्तित किए जाने की संभावना है;

(ख) इस स्वीकृत परियोजना की अनुमानित लागत कितनी है और समुद्री क्षेत्र में नवोन्मेष और अनुसंधान को बढ़ावा देने में शैक्षणिक संस्थानों की क्या भूमिका है; और

(ग) समुद्री क्षेत्र में अकादमिक भागीदारी किस प्रकार ड्रेजिंग और सेडिमेंट प्रबंधन में स्थायी प्रथाओं में योगदान करती है?

उत्तर

पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री

(श्री सर्बानंद सोणोवाल)

(क): प्रस्ताव का मुख्य उद्देश्य, सेडिमेंट्स को एग्रीगेट में बदलकर इसे निर्माण के विभिन्न क्षेत्रों के लिए उपयोग में लाते हुए ड्रेज्ड सेडिमेंट्स की कीमत बढ़ाने से है। यह, ड्रेज्ड सेडिमेंट्स को निर्माण सामग्री में बदलने में सहायक होगा जिसका उपयोग किया जा सके।

(ख) और (ग): स्वीकृत परियोजना की अनुमानित लागत 46,47,380/- रु. है। शिक्षण संस्थान अर्थात् आईआईटी बोम्बे की भूमिका, एग्रीगेट/ मानव-निर्मित मिट्टी बनाने के लिए एक प्रायोगिक पैमाना सेट-अप विकसित करने एवं उनके भौतिक, रसायनिक और भू-यांत्रिक विशेषताओं से क्षमता प्रदर्शित करने से है। अपशिष्ट सामग्री को उपयोगी निर्माण सामग्री में बदलने की उन्नत प्रौद्यागिकी सृजित करने में शैक्षणिक संस्थानों की भागीदारी महापत्तनों में ड्रेजिंग प्रचालन की व्यवहार्यता में व्यापक सुधार लाएगी।

*****